

2102

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

2102 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

2102 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

ॐ नमः श्री गुरु आग्रा सागर सप पानी मे से जप्ते धन जप्ते लीं सी
नै प्या आग्रे हु फतख हा - १ अइ साको

ॐ नमः श्री गुरु आग्रा सचि पादी पी छे हु हु फतख हा
- १ अइ साको हो

1211

२४
104
104
104
104

लं० नारी का ना लन सन ये लनी वस भी न
जोर सी पे के — ६

लं० नारी का तुरी लन ये लनी व वीष म
जोर सी पे के — 36495 el. 068 5

MADE IN FRA

अशा मरुति
ASHA ARCHIVES

2102

३ जामो जामो जामो ॥ २५ वाड जामो सी ररा सु गोर बनार् वाघारा
पुनरसी जवी रदाइ ने रासु हनुमानवी रमुष रासु अगि
नी जमी लोप द्वादी रासु भमि सीनवी रपा उरासु यनै द्वादी
देवी इ सो रमा दे उवाचा फु जा उरी जावे ती की वाचा फ
ली रु की वाचा फ — २ वी। व्य सीवाने झा फ इ यनै द्वा

के से पानी बादा लाइ खुद ही उवात पानी अपो
 वी सरापी उइ पानी वी बदी तो रे सीर तो ही ही
 माता पुगउ सात म दही प्रा माता ही इ म को म म सो न
 पुकारी सातै प्रमान को मे म सो न पुकारी गोरी प्रसूनी
 उरु उरु — १५ हाता सुहा नाग

ॐ ह्रीं वायुं पहौ वायुं अक्का सै वायुं पाताहौ वायुं ॐ कीनी
वायुं डोकीनी वायुं नो कही वायुं डी क्वायुं ही कही नी वा

धाक्य लकरी नीवाक्य भुतवाक्य पुरे वाक्य का बोवाडु वाक्य
 मरु कतावाक्य पी मास वाक्ये उत्तुवा वाक्य देव देवानी वाक्य
 वीर वेतास वाक्य मदी मसान वाक्य वाते वाक्य बरो वाक्य
 नारे की लला वाक्य नारे की लला हानु। नारे की लला मा ह्यु या
 र की लला मा ह्यु सात भरती की वाचा नारे की लला मन
 की वाचा फु सीतारानी की वाचा फु ह नारे की लला मन
 कु सात समुद्र की वाचा ह लोह की
 वाचा फु ईन्दु पेन की वाचा फु ग

गौड पारवती की वाचा फु माहा दे उवा वाचा फु माहा वी
रत्नमान की वाचा फु माहा भी न तेन की वाचा फु
भगवती की वाचा फु सातगुरु की वाचा फु भगुरु की वा
चा फु तगुरु की वाचा फु सीवस कृती हो म ३ फु तन मे
स्वाहा — ? — परवाने वो क सीवाने सगुहा २५

६

२५१

०३

मम गुरु आग्या पै ली का वा की वा न्या द गुली
ली प्रसीन चोला फे के वा न्या द वो क सी पा
त भे लनु हानु गुरु की वा नी वृ ज जो जी नी परग
जो जी नी वा बाई कृत स्वाहा — २२ वो क सी धी

प्रे गुरु

मम गुरु आग्या सुनती मे रावताई जपर मारी प्रकर
मारी हर मारी मारी वो क सी रा नी ताई की

नजर वाली राज नु हनु मान प्रदे लो बलाई हनु
मान को ताई दे दे लख नर सी ग गुरु को घर मावा
नोरा प्र नु हनु मान को वीर ले स न स मु द र प्रा हार
फाली गार बना च जागाई प्रे कर वा बा दुई देल वा
नी नी न डेली वा बा गुरु के सै परी मेरा म गरा
लाही मन के वा ना कु मी प्र की वा बाई कृत स्वाहा —
— ५५ वो क सी मारी प्रा प्रे गुरु

१ तम गुरु आगमा वह र भेत मार न डार भेत मार ज त भे
त मार ती त भेत मार भुत भेत मार प्री सा व भेत मार
गी मानी भेत मार प्री वी मान भेत मार वा पु भेत
मार दी गी नी भेत मार फलाना को मर नी भेत मार
न तो गुरु व ड सो पी दे व ता को वा बा ह ड फल र वा
हा — २२ — सर्व वे वा हा डे प नी ह ड

२ तम गुरु आगमा अग ती ला डे पै ली की सा ज नी को
प नी मे रा गुरु वामी को व नी वु ज जो गी नी वर
ज जो गी नी अग ती ला डे पै ली की वानी हौ नी वा
हिर प था उ नी गुरु डे स्वर की वा ब ह फल र वा
हा — २०० — दे मी न के गु सी क ज भ ती डी हा
व ल र नी न के ५५

१० मम गुरु आग्रा मनी की मना पुर गर धामी
गर वावु लेतीने सरील कदवा लगर भा
का धामी भाचा धामे ने गुरु अन धा कररी
गरीनी गजुरी पीव सने राडा धापीन धुते उधा
र व सने राज धापीन सत्पेती मती कदवा ल
देवी पु मी न इत्यर माडा देव का वा या हि पुत्त

की स्याहा। — २२ मी रे भानाह पीत जीठ
५

ॐ श्री पानील को दवा स्वाहा — धार
जप-३ थोमतरल द्या धो प्रेमैत्र सुप
न पेलील द्या प्रेमैत्र वा प्र

ॐ नमो गुरु आग्या श्री श्री श्री नाना श्री श्री अं गुरु
सै श्री प्रपत स्वाहा — धार जप ३० थोमतरमी
सामहनी सीरुती केमी सा सी ज्ञाना मक
ये थनव से जुई

ॐ नमः श्री गुरु आग्न कलह मायाही
हुं फल स्वाहा - चार - ७ - धोमंत्र नम
ये गुरु ॥ तरसा फुरसी मीषा कसी नी
लातये - - -

श्री ३ श्री २ कुरुदुर्ज तेज गुरु वी
द्या स मु स्वाहा - चार - ५ - धोमंत्र

लदी मी मदयाव या वाने साया
स सुचीनी वीषाना लाल दी मी
पुजा येव से जु इ - - -

ॐ म भी वात की र स्वाहा - चार
- ७ - वात जुन सा पुये मंत्र

ॐ नमः श्री गुरु आग्य व सज कव
चामा कल च धर्मी कक कररीरी
मंत गुरु के वा चाराम दी मन सत
वा चा गुरु के से ते वा चा तु फल स्वा
हा - ध्यात - २० - धो मंत्र न स कल
ध्यात जी व

ॐ नमः श्री गुरु आग्यो भुत वानु
वानु पी रेत वानु वानु मोर मुसा
न वानु वानु दागी नी वानु वानु
अ का स वान वान सागी नी वानु वा
नु न रगीरी वानु वानु पा तल वानु
ई स्वर मा ला देव गहरी

वती हुं फल स्वाहा - धार - २४ -

धोमैत्रन सकल यात जीव

भेइ कर भे कर ॥ चक्र सर्व च कर सर्व

मारु के सरस्य क स सर्व मारु ॥ अर्ध

स्वे अर्ध धार सर्व प्राजी पर सर्व जी पर सर्व

मारु दातर सर्व दातर सर्व मारु मुत्त

रस्ये मुत्तरस्ये मारु नगरस्ये नगरस्ये

मारु प्राई तलस्ये प्राई तलस्ये मारु आसर

स्ये सास्य मारु हुं फल स्वाहा - धार जप - १

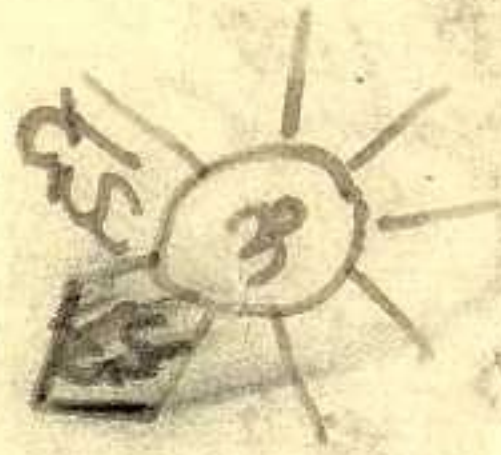
धोमैत्र या ना वा न के को गुरु

ॐ नमः श्री गुरु आग्य श्री वीष्णु चरी भुव
ये स्वरी श्री वरज जो गीनी जल सते ही ही
हुं हुं हुं फल स्वाहा - धार - पथो मतर मे का
त सा जा की फु या अत ता या नान के जु व -

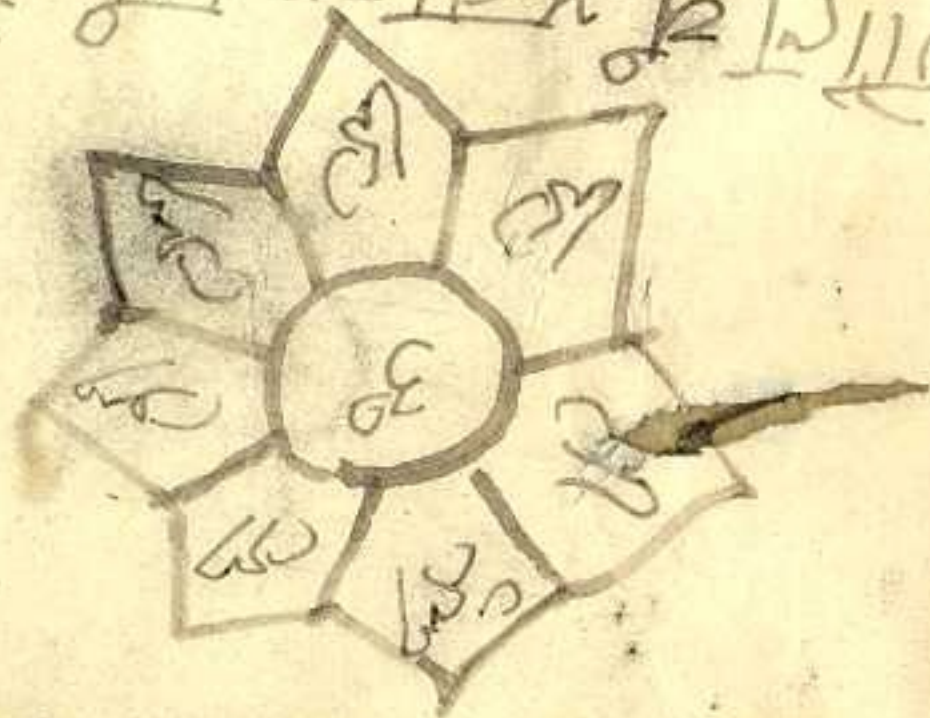
ॐ नमः श्री गुरु आग्य वीष्णु चरी वीष्णु अता
रु वती रानी ज द म नी स्व य द क द न मो

स्व चा ही मो भन ला गी जाला वी फल स्वाहा -
धार ज पथो मतर - धार - ७ - मथो म
न मी लामो ज नाम क या व म न याना सी ह
ती के पका पका मोहन

ॐ नमः श्री गुरु आग्य सीता गुरु ही ही
हुं हुं ही ही हुं फल स्वाहा - धार - ७
भुत फु ना हल सा ज रे या ये न न

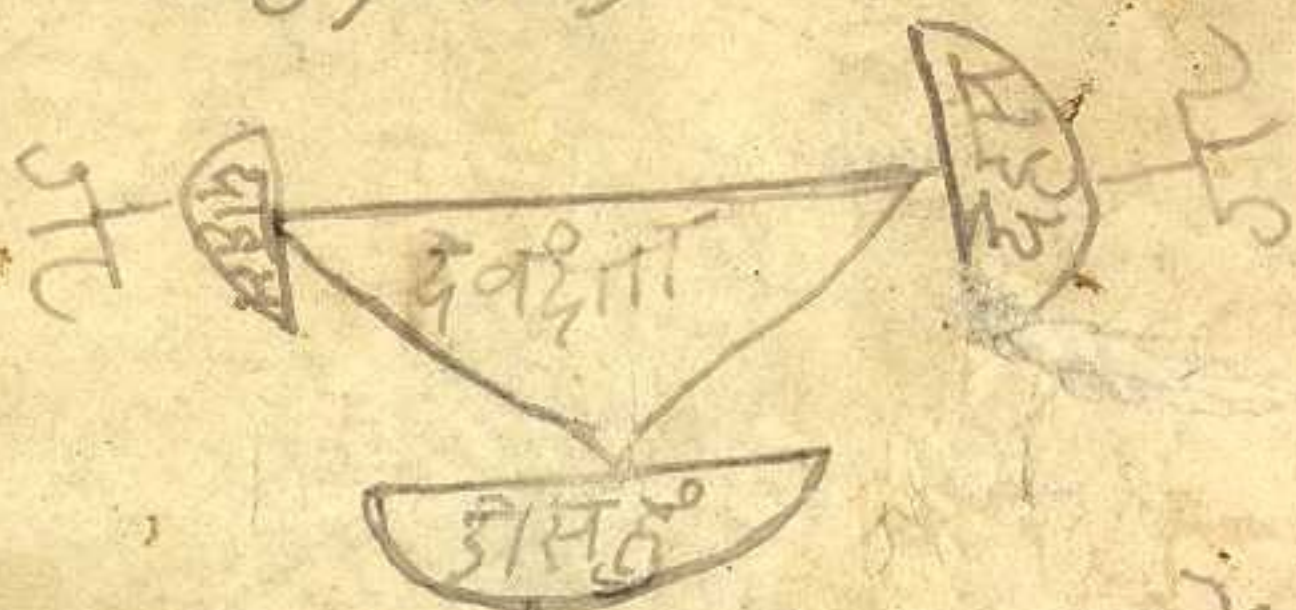


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



श्री ३३ पंच सुगमुद्रा पंच कृपा ले चो याव
 फली तल सत गुरु ये ३३ लक्ष्मी ले ३३ लक्ष्मी प्राद
 सते

अथ मन्त्रनमः शृङ्गागुलीकाय म
 ॥ ३० ॥ नमः शृङ्गागुलीकाय म
 धर्मात्मात्मा मेहं फलं स्वाहा - चार
 २५ - श्रीवीरचालपाकलीकायै वास
 लकुम्भकुम्भगोतर्वनं च स्वपूनाय
 दानावलो जी प्रातः कुप्रे के मन्त्रनमः शृ
 ङ्गागुलीकायै नमः -

३० नमः सी

३० नमः सी धी गुरु आग्या कुं सी कामी नी का
हल सी माता अल सी का हूँ कल स्वाहा - ७
धार - दुल मे नल दु मय्या न नल दु
दुती नमः रे घाय पु द्या गु द्या न नल दु

३० नमः हुं हुं हुं हुं ज ह प म र स्त्र स्वाहा - धार
- ७ - धो मेत्र दु दु वी पे के गुल प जल पा लेन
के

३० नमः सी धी गुरु आग्या सी धी जो गी नी दंगी
नी सी धी मे ल क ल स्वाहा - धार - ७ नल
ल मय्या व पाल म जो ल पा तो न के

नारी असत गुन सी चे के गु — ५
नारी सुजे प्रहदा सी चे के गु — ५
नारी अगु त सा धन म स का ५ — ५
नारी गुन जी र के माता सी चे के — ५
नारी जी मा गु न सी के गु — ५
नारी शी ड स त गु न सी के गु — ५
नारी चंड व क गु न सी के गु — ५

इंद्री सा को दोष आ प्रो मनी प्र प अ म हा च त द्द र्भ का ५
प्र सुरा अ म हा वा त आ प्रो मनी प्र द्दी म दी सा म नु
ले सरा अ म हा वा त च लो प्रो मनी प्र द्दी सा म नु
चंड धा अ म हा च लो मनी प्र द्दी सा म नु

ॐ नमो सीधो गुरु को वाचा ॥ डागा उने मंत्र - व व
वाजी डापनु ऐसे को वाक सी हाई प्रकरा उने
प्र ४ वाजी डापनु -
अं डो ल सा भी म से न को वाचा - १ वाजी डाप
नु काम सी ध हं ने ध -
५ उरी ही ने हाई वा भी हा वने मंत्र हो र वाचा
६ ६ वाजी डापनु र का सी ध हं ध -

१ मुरक करन ले फल त्याहा - २ मीसा बो नवे प्रतग
 तीनक पुपे के - अथरु पतजा पहा पावहा सै गा पे के
 मधी जपहा पावन के डीव -
 ३ उरु आडा असतन हा गा प कर्तु या हा त्याहा - ४
 पे हा सामन प्राना व मीसा न के व से पा प मुल - ५

	ही	
ही	उही	ही
	ही	

६ उरु आडा गो लो वन मसान प्रान ही ना प छा
 ना व मो जा पत्र सै इ मा प्रा प्रान यक्र चो पे दे स फ
 ना ता न मीसा प्रा दे स न्दुर स न्दु द वं मु न्दु न्द व दे स व न्दु
 वा उहा -

3218
 16
 4214
 29
 15
 314

3218
 16

145
 12

421 6
 281 3
 421 3
 30 12
 351 3
 361 3
 361 3
 421 3
 421 3

[illegible]

कीस कीलीवा माहनुमान वीर चौड की फीर डे चंद सुरजे
की डहाइ चंद सुरजे सादी फुरमन डुखर माहा देव नुमा रे स
ते वा चाई कृतखडा — 7

110112115 02101110115 5

15 010122 96 010112 115 010112